**DATE OF NOTIFICATION:- 05/06/2023**

**NOTIFICATION NO:- 539/2023**

**NAME:- VIPIN KUMAR**

**SUPERVISOR:- PROF. AJAY KUMAR NAURIYA**

**TOPIC:- RAJENDRA YADAV KE KATHA SAHITYA MEIN STREE JEEVAN KA ADHYAYAN**

**DEPARTMENT:- HINDI**

**KEYWORDS:- KATHA SAHITYA, STREE JEEVAN, PRTIRODH, UPNYAAS, STREE VIMRSH**

**संक्षिप्त शोध सार**

राजेन्द्र यादव एक संवेदनशील एवं यथार्थवादी कथाकार और नारी-मुक्तिकामी चेतना के प्रबल पक्षधर हैं। नारियों को पहली बार दलितों की श्रेणी में लाने पर आप विवाद का कारण भी बने पर निर्भीक इतने कि तर्क देते रहे और अपनी स्थापना पर अडिग रहे।इन्होंने हाशिये के नारी और वंचितों को केन्द्र में लाने का सराहनीय एवं उल्लेखनीय कार्य किया।इस कार्य के लिए आपने 'हंस' जैसा मंच दिया और स्त्रीवादी लेखक-लेखिकाओं को प्रोत्साहित भी किया। आप किसी प्रकार के शोषण,अन्याय,अनाचार,आडम्बर,अंधविश्वास आदि के घोर विरोधी हैं।प्रबुद्ध चिंतक,विचारक,सम्पादक,समीक्षक और कथाकार हैं।राजेन्द्र यादव नारी और वंचितों के प्रति कुछ अधिक ही संवेदनशील हैं।यदि इनके कथा-साहित्य को नारी चेतना का महासागर कहा जाये तो अतिशयोक्ति न होगी।आप नारी चेतना से प्रतिबद्ध बेशक हैं पर घर तोड़ने के नहीं,जोड़ने के पक्षधर हैं।आपके नारी पात्र मरणान्तक सीमा तक अन्याय सहन कर लेते हैं पर सीमा का अतिक्रमण होने पर विकराल रूप धारण भी कर लेते हैं।युगीन सामाजिक परिदृश्य के सामाजिक,सांस्कृतिक,राजनीतिक,आर्थिक और धार्मिक विडम्बनाओं और दबावों के चलते स्त्री-पुरुष के बिगड़ते संबंधों और संघर्षों के मध्य नारी चेतना को मुखर वाणी देना राजेन्द्र यादव के कथा-साहित्य का अभिप्रेत रहा है,जिसमें मेरे अल्प विवेकानुसार वे सर्वथा सफल भी रहे हैं।जब-जब नारियों और वंचितों का प्रसंग आयेगा राजेन्द्र यादव बार-बार याद किये जायेंगे।